

DPN 5787

Title : फलफल PHALĀPHALA

Run. No. 6478

Cat. No.

Micro. No.

Subject ~~मोक्ष~~ Astrology

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. ✓ New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 18.5 x 8

Folios 7

Lines (in a page) 6/7

Compl. / Incompl. ✓

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. ✓ / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper ✓ / thyasaphu /

Condition : fine / damaged ✓ by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

15

10

5

0

Cms.

5

10

15

20

25



15

10

5

0

सात, मावाता खदा, युतुवतावन ५, थुता ६, अतवद धककन
 सा, नदीमीसी धादरे ३॥ मनखायाता, कर्ष थरुते, खदा थरुते,
 नयाधक, कूनसा, नडा सवतीतायी ३, नाइता नयाधक, कून
 सा, दातुनिकाया, तातुदयी ३, मासनया, धक, कूनसा, ताता
 सातुदरे ३, थडा पुनकन, गममदीटा धक, कूनसा, अगमया,
 पुमानइयी ३, नगुतसुतसा, पुमानइ यि ३, अधमन, भवुन
 दानकनधक, थमभुधनकयधक, कूनसा, किनकावन, थडा
 कसु, यद थरुते, कवे नन, थडा नकस याया, टा, धकसीयी

१ धन्यायनियंवा जागु ॥ यादु धन्यायन ५
 २ दुनिया, काउसंधानि ॥ इलोकाउसाधरु २
 ३ तिठियाक्रमलारुय ॥ गिलालारुधलरु ३
 ४ चमुथिगुधनरु ॥ यगुयसिधनरु ४
 ५ ययसांसिपालारु ॥ ययमिसिधनारु ५
 ६ यगिसुकलरुगथा ॥ यगमिल्यायमालि ६
 ७ यानयानसमिमृदुधिर, अगंयेअसगमि ॥ सगमिअजवन ७
 ८ अगसांयां, सगुयानैय, ॥ अगमिथअसगन थअलरुयंरु ८

१ ननलधक निग कक
 जानवमनानरु
 २
 ३
 ४
 ५
 ६
 ७
 ८

0 cms. 5 10 15 20 25

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

मृगत्रय ॥ विगन्त वाधिरि ॥ सर्व ॥ तत्रा तह की जीवीन ॥ १५ ॥
 तथा स कवीन मनी ॥ अभवत गल वृच ॥ यव मत की जानी या
 ॥ वय काला नल कन ॥ १६ ॥ ॐ ॥ धन्य भ्राता ही धी अनुना
 ॥ १७ ॥ अखा व स न वना ॥ अवी चीन श्री खा रु चा तु ना ॥
 यगत क गु न ग ॥ १८ ॥ यद व च न त ह मि ॥ न ह्या मा ता पि
 वा रा व न ॥ ला कू ना गु रु न च नु ॥ सा रा नू ना दी वा क न ॥ १९ ॥
 य चान वी वी भला क ॥ उ त्या ना द व नि मी ता ॥ सा हा नु री वी

धन सीधा ॥ मल न च धूम ॥ सिंह जय स्नान क ला ति न र्थ ॥ २० ॥
 कन ला रा ख ल द ह यी गा ॥ ग रु स म्पा डि धा क न अ थ ना स र्थ ॥
 ॥ २१ ॥ अ स के व न सा ॥ न ना र्थ सी धी रु य ॥ धूम स व न सा उ मी
 स ॥ वै र्व यौ लौ र ॥ सी क द यी ॥ सि ध या ज य रु यी डी ॥ स्नान य ड
 मि स न न ना स ॥ वृ ख या ना रा इ ख न या ॥ म छी का डा धा द स य ॥
 ग रु या सी य ती द य का डा चा नि डा ॥ २२ ॥ क या ध न ना स ॥ ॥
 ध रु वृ स मी य स्का ॥ दू ल धा ग रु सि ह या ॥ स्नान वा घ रा म ग्न

15

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

10

5

नया, कालकूला मजाक अय, थनंलि गुरु सवलिविधि, नअ, नअगुरु साधनवा
 मययुजा, नअगुरु नविय, दाम्, कयिला, जाकिविबाक, स्वमेय, नवाता मरया
 अदानविय, वालसमं, १मसमं, १नूपनिसमं, निथय, नथअ, नअनन, स्वादानक
 यनथ, नि, यय, नकायाथ, ६निथय, नकायाथ, १०स्वायथ, निनधनि, ॥ नो ॥ नारुय
 जामारु, कायुजा, नारु, मं० सं, रुम, रुयकनक, थअ, मसवाका, वमुविय, मराका, नय
 जा, नक, न००, माननक, स्वायकं, वलिविध, नधनि, ८स्वमि, रुयकं, युजा, नयन, नि
 मराक, यीता, नय, जगुनी, १२रायकं, दामन, विकनन, मग, रुयक, सिवया, धान

0

cms.

5

10

15

20

25

मानसंभूतं पमाख्येवरमापुयात् । संवत्केमिश्रफलदोऽन्त्यानकार्यनाशनं । मृत्युश्च
 मृत्युविज्ञेया कानकार्यपनाशनं । सिद्धिश्चसिद्धिसविद्याहुभंशुभफलस्मृतं । म
 तेमृत्युविनाशायमुशलो रोगसंभवः । गडाख्यो धनसंवित्तमानं गेचमहद्रथ
 राक्षसेप्राणमसोगचरस्थिरविनाशकृत् । स्थिरेधैर्यविनिश्चिन्त्यं हृदिसंबद्ध
 मानके ॥ इत्यानन्दादियोगफलं ॥ ॥ न्यत्ररविमनुराधेवैश्वदेवेचसोमे शतभिष
 मपि भौमे च बुजे चाश्विनी शुक्राशधरमपि जीवे सूर्यदेवं च शुक्रैरविमुतप्रपिहस्ते
 मृत्युयोगो जिधाने ॥ ॥ अश्विनीरवि वारेण सोममृगसिरस्ताथा अश्लेषा भौम वारेण
 बुधहस्ता प्रकीर्तिता । अत्राश्विनीरवि वारेण सोममृगसिरस्ताथा अश्लेषा भौम वारेण
 नन्दादिप्रकीर्तिता ॥